



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 8, 1995 (चैत्र 18, 1917)
No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 8, 1995 (CHAITRA 18, 1917)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 407	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपलब्धियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्रतिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	पृष्ठ *
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	307	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	7	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	299
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	507	भाग III—खण्ड 2—वेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई वेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	289
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रथम द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	--
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्रतिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं।	547
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	49
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को बताने वाला अभ्युपकरण	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	407	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	307	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	7	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	299
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	507	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	289
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	547
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	49
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 1995

सं० 1/1/95-समिति—सर्व सामान्य की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (1860 का XXI) के कार्यों हेतु वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की शासी निकाय का पुनर्गठन 16 मार्च, 1995 से 3 वर्ष के लिए किया गया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. महानिदेशक
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली-110 001। अध्यक्ष (पदेन)

2. सचिव (अग्र)
वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार,
नार्थ ब्लॉक,
नई दिल्ली-110 001। सदस्य-वित्त

3. प्रो० आर० कुमार
(अध्यक्ष टी० ए० बी०
रसायन विज्ञान
एवं प्रौद्योगिकी)
प्रमुख,
रसायन इंजीनियरी विभाग,
भारतीय विज्ञान संस्थान,
बंगलूर-560 012। सदस्य

4. प्रो० पी० पी० गुप्ता
प्रोफेसर,
विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र,
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली-110 067। सदस्य

5. डा० टी० एस० आर० प्रसादराव
निदेशक
भारतीय पेट्रोलियम संस्थान
झाकघर-आई० आई० पी०
मोहकमपुर
देहरादून-248 005। सदस्य

6. डा० पी० खन्ता
निदेशक
राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान
नेहरू मार्ग
नागपुर-440 020। सदस्य

7. श्री एस० के० विजलानी
प्रबंध निदेशक
एम० ओ० आई० इंजीनियरी
मोहाली
चंडीगढ़। सदस्य

8. डा० आर० के० डी० शाह
चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमि०
बी० एच० ई० एल०
सिरी फोर्ट रोड
नई दिल्ली-110 049। सदस्य

9. प्रो० जी० मेहता, एफ० एन० ए०
कुलपति
हेडराबाद विश्वविद्यालय
हेडराबाद-500 134। सदस्य

10. डा० इन्दिरा नाथ
प्रोफेसर जैव प्रौद्योगिकी
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर
नई दिल्ली-110 029। सदस्य

11. प्रो० एम० विद्यामागर निदेशक
सैट्रल फार आर्टिफीशियल इंटेलिजेंसी
एंड रॉबोटिक्स
राज भवन संकिल
हार्ड ग्राउंड
बंगलूर-560 001।
- सदस्य
- प्राप्त योग्यता समझा जाएगा जिनके लिए शूगर इंजीनियरिंग/शूगर टेक्नोलॉजी में विशिष्ट प्रशिक्षण अपेक्षित है।
- विजय भारत
उप शिक्षा सलाहकार
(तक०) और सचिव
शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड

12. डा० पी० रामाराव सचिव
विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग
टैक्नोलॉजी भवन
न्यू महरौली रोड
नई दिल्ली-110 067।
- सदस्य

दिनांक 1 मार्च 1995

13. श्री एन० विट्ठल सचिव
इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग
इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन
6 सी० जी० ओ० काम्पलेक्स
लोदी रोड
नई दिल्ली-110 003।
- सदस्य

सं० 43-एफ० 18-23/92-टी० डी० 5/टी० सी० 4
(.)—शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड की सिफारिश पर भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक विभाग की कम्प्यूटर प्रत्यापन पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत भारतीय कम्प्यूटर सोसायटी द्वारा आयोजित 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर की परीक्षाओं को केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों और सेवाओं में रोजगार के उद्देश्य से फाउण्डेशन पाठ्यक्रम और उच्च डिप्लोमा स्तर पाठ्यक्रम के समकक्ष मान्यता प्रदान करने का निर्णय किया है।

श्री कृष्ण जोशी
सचिव
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग एवं
महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक
अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

विजय भारत
उप शिक्षा सलाहकार (तक०) और सचिव
शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड

मानव सभाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा, विभाग)

नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी 1995

सं० 41/19-15/93-टी० डी० 5/टी० सी० 4 (.)—
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के दिनांक 23 अक्टूबर 1951 के का० जा० सं० फा० 18-27/50 टी०-2 का अधिकरण करते हुए शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड ने इंडियन इन्सटिट्यूट आफ शूगर टेक्नोलॉजी, कानपुर के नाम को राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में परिवर्तित करने (जो कि अप्रैल 1957 में हुआ) का अनुमोदन किया है और आगे प्रस्ताव पारित किया कि राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर (पहले इण्डियन इन्सटिट्यूट आफ शूगर टेक्नोलॉजी के नाम से ज्ञात) द्वारा शूगर इंजीनियरिंग/शूगर टेक्नोलॉजी में प्रदान किए जाने वाले एसोसिएटशिप और फेलोशिप डिप्लोमा को केन्द्रीय सरकार के उन पदों और सेवाओं में भर्ती के लिए मान्यता

सं० 44 फा० 18-15/93-टी० डी० 5/टी० एस 4—
शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड की सिफारिश पर, भारत सरकार ने संसद् अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों द्वारा दूरस्थ शिक्षा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय समझी जाने वाली संस्थाओं और संसद् के किसी अधिनियम के अन्तर्गत घोषित राष्ट्रीय महत्व की संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई सभी अर्हताओं को केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों और सेवाओं में रोजगार के लिए स्वतः मान्यता प्राप्त है बशर्ते कि उन्हें दूरस्थ शिक्षा परिषद्, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, के-76, हीज खास, नई दिल्ली-110016 और जहाँ कहीं आवश्यक हो अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, आई० जी० खेलकूद परिसर, आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110 002 द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

विजय भारत
उप सचिव और शिक्षा सलाहकार (तक०) सचिव,
सचिव शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1995

संकल्प

सं० हिन्दी/93/प्र०-7/1/2—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने तकनीकी रेल विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तक लेखन को बढ़ावा देने के लिए माँजूवा नकद पुरस्कार योजना में संशोधन करते हुए इस योजना में रेलों से इतर व्यक्तियों/लेखकों को भी शामिल करने का निश्चय किया है।

इस योजना की मुख्य बातें इस प्रकार होंगी :—

1. योजना का नाम

इस योजना का नाम “हिन्दी में तकनीकी रेल विषयों पर मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना” है।

2. उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य रेल संबंधी तकनीकी विषयों पर मौलिक लेखन को बढ़ावा देने का है ताकि रेलों के कार्यकलाप संबंधी तकनीकी विषयों पर अधिकाधिक पुस्तकें हिन्दी में उपलब्ध हो सकें।

3. पुरस्कार की राशि

हिन्दी में मौलिक पुस्तकों के लेखन के लिए निम्नलिखित पुरस्कार दिए जाएंगे :—

1. पहला पुरस्कार (एक)	10,000 रु०
2. दूसरा पुरस्कार (दो)	5,000 रु० प्रत्येक
3. तीसरा पुरस्कार (दो)	3,000 रु० प्रत्येक
4. सातवना पुरस्कार (दो)	1,500 रु० प्रत्येक

4. यह योजना रेल मंत्रालय के राजभाषा निदेशालय के नियंत्रण में होगी।

5. यह योजना वर्ष 1995 से आरम्भ होगी और प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के लिए होगी।

6. इस योजना में वर्ष 1995 (1-1-1995—31-12-1995) से रेलों से इतर व्यक्ति/लेखक भी भाग ले सकेंगे।

7. पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार प्राप्त कृतियों की लगभग 400-400 प्रतियाँ विभिन्न रेलों/उत्पादन कारखानों द्वारा खरीदी जाएंगी। इन पुस्तकों की खरीद पर धनराशि की व्यवस्था रेल प्रशासनों द्वारा पुस्तकालयों के लिए आवंटित बजट राशि में से की जाएगी।

8. पुस्तक मौलिक रचना होनी चाहिए अर्थात् किसी अन्य भाषा में लिखी गई पुस्तक का अनुवाद न हो।

9. जिन मौलिक पुस्तक को इस पुरस्कार के लिए प्रस्तुत किया जाए वह पुस्तक पुरस्कार के वर्ष से पिछले तीन वर्षों में लिखी गई हो अथवा प्रकाशित हुई होनी चाहिए।

10. पुस्तक का विषय रेल संवाहन या रेल प्रबंध से संबंधित होना चाहिए।

11. पुरस्कार योजना के अन्तर्गत पुस्तकों का चयन एक मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा। प्रीर निदेशक, राजभाषा, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) समिति के सदस्य सचिव होंगे।

12. जिन पुस्तकों को इस पुरस्कार योजना के लिए पहले प्रस्तुत किया जा चुका हो उन्हें दोबारा प्रस्तुत नहीं किया जाए।

13. जिन पुस्तकों का भारत सरकार या राज्य सरकार या संघ शासित प्रदेश के प्रशासन की किसी योजना के अधीन एक बार पुरस्कार दिया जा चुका होगा, उन्हें इस योजना में शामिल नहीं किया जाएगा।

14. उल्लेखित योजना के अन्तर्गत पुरस्कार किसी एक कृति के एक से अधिक लेखक होने की स्थिति में पुरस्कार की राशि उनमें समान रूप से वितरित की जाएगी।

15. जिन लेखकों की पुस्तकों को इस पुरस्कार योजना में शामिल किया जाएगा उनका अपनी पुस्तकों पर प्रति-निष्ठाधिकार (कापीराइट) बना रहेगा।

16. यदि किसी वर्ष मूल्यांकन समिति किसी भी पुस्तक/प्रतिष्ठान को पुरस्कार दिए जाने के लिए उद्युक्त नहीं समझती है तो मूल्यांकन समिति अपने विवेक पर इस पुरस्कार को रोक सकती है।

17. पुरस्कार प्रदान किए जाने या पुरस्कार के लिए पुस्तकों के चयन की प्रक्रिया के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।

18. प्रतियोगी को पुस्तक की 2 मुद्रित अथवा 2 टंकित प्रतियाँ निर्धारित आवेदन पत्र के साथ भेजनी होंगी। प्रविष्टियाँ सहित आवेदन पत्र विधिवत् भरकर निदेशक, (राजभाषा) रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), रेल भवन, नई दिल्ली को भेजने होंगे।

19. एक लेखक पुरस्कार योजना के लिए एक से अधिक प्रविष्टियाँ भेज सकता है। यद्यपि, किसी वर्ष विशेष में, एक लेखक को सिर्फ एक पुरस्कार दिया जाएगा।

20. पुस्तक सामान्यतः 100 पृष्ठ से कम नहीं होनी चाहिए, तथापि इससे छोटी पुस्तकों पर निर्णायक मण्डल अपने विवेकानुसार विचार कर सकता है।

21. यदि मूल्यांकन समिति का कोई सदस्य पुरस्कार के लिए अपनी पुस्तक प्रस्तुत करता है तो वह उस वर्ष के लिए मूल्यांकन समिति का सदस्य नहीं होगा।

22. इस योजना से सम्बन्धित सभी मामलों पर रेल मंत्रालय का निर्णय अन्तिम होगा।

23. इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत पुस्तकों/पांडुलिपियों की रेलवे बोर्ड के राजभाषा निदेशालय के अधिकारियों द्वारा विवक्षा की जाएगी और संबंधित पुरस्कार विजेताओं को अपनी-अपनी पुरस्कृत कृतियों का पुस्तकालय संस्करण छपवाना होगा ताकि वे प्रकाशित पुस्तकें रेलों द्वारा खरीदी जा सकें।

24. अपनी कृति भेजने वाले लेखक को निर्धारित प्रोफार्मा में जानकारी भर कर भिजवानी होगी।

प्रोफार्मा—I

तकनीकी रेल विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तकें लिखने के लिए नकद पुरस्कार योजना

1. (क) लेखक का नाम—

(ख) पदनाम—

(ग) कार्यालय का नाम और पता—

(घ) संबंधित मन्त्रालय/विभाग का नाम—

2. पुस्तक का नाम—

3. पुस्तक का विषय—

4. प्रकाशक का नाम व पता—

5. पुस्तक के लिखने का कार्य पूरा करने की तारीख

[(माह-वर्ष)—

6. प्रकाशन काल (माह-वर्ष लिखें)—

7. पृष्ठों की संख्या—

8. मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि :—

पुस्तक मेरी मौलिक रचना है।

दिनांक :

लेखक के हस्ताक्षर

प्रोफार्मा—II

घोषणा पत्र

(क) मैंने पुरस्कार योजना के नियमों का पढ़ लिया है और मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूँ।

(ख) मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि यह पुस्तक मूलतः मैंने लिखी है और यह किसी दूसरे कापीराइट अधिकार का उल्लंघन नहीं करती है।

(ग) मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि प्रपत्र में दिए गए विवरण बिल्कुल सही हैं।

हस्ताक्षर—

पूरा नाम—

पूरा पता—

तारीख—

स्थान—

आवेश

आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, भारत के सभी विश्वविद्यालयों और समाचार अभिकरणों को भेजी जाए।

यह भी आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

केलिवस कुल्लु
संयुक्त सचिव
रेलवे बोर्ड

DEPARTMENT OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH

New Delhi, the 8th March 1995

No. 1/1/95-CTE.—It is notified for general information that for the purposes of the Societies Registration Act (XXI of 1860), the Governing Body of the Council of Scientific & Industrial Research has been reconstituted for a period of three years with effect from 16th March, 1995 and shall consist of the following :—

Chairman (Ex-Officio)

1. Director-General,
Council of Scientific & Industrial Research,
Anusandhan Bhavan, Rafi Marg,
New Delhi-110 001.

Member-Finance

2. Secretary (Expenditure),
Ministry of Finance,
Government of India,
North Block,
New Delhi-110 001.

Members

3. Prof. R. Kumar,
Head,
Department of Chemical Engineering,
Indian Institute of Science,
Bangalore-560 012.
4. Prof. P. P. Gupta,
Professor,
Centre for Studies in Science Policy,
Jawaharlal Nehru University,
New Delhi-110 067.
5. Dr. T.S.R. Prasada Rao,
Director,
Indian Institute of Petroleum,
P.O. IIP,
Mohkampur,
Dehradun-248 005.
6. Dr. P. Khanna,
Director,
National Environmental Engineering Research
Institute,
Nehru Marg,
Nagpur-440 020.
7. Shri S. K. Biji,ani,
Managing Director,
MOI Engineering,
Mohali,
Chandigarh.
8. Dr. R. K. D. Shah,
Chairman-cum-Managing Director,
Bharat Heavy Electricals Ltd.
BHEL House,
Sirsi Fort Road,
New Delhi-110 049.
9. Prof. G. Mehta, F.N.A.
Vice-Chancellor,
University of Hyderabad,
Hyderabad-500 134.
10. Dr. Indira Nath,
Professor of Biotechnology,
All India Institute of Medical Sciences,
Ansari Nagar,
New Delhi-110 029.
11. Prof. M. Vidyasagar,
Director,
Centre for Artificial Intelligency and
Robotics,
Raj Bhavan Circle,
High Grounds,
Bangalore-560 001.

12. Dr. P. Rama Rao,
Secretary,
Department of Science & Technology,
Technology Bhavan,
New Mehrauli Road,
New Delhi-110 067.

13. Shri N. Vittal,
Secretary,
Department of Electronics,
Electronics Niketan,
6, CGO Complex,
Lodi Road,
New Delhi-110 003.

S. K. JOSHI,
Secy.
Department of Scientific &
Industrial Research and
Director-General,
Council of Scientific and
Industrial Research

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 28th February 1995

No. 41, F. 19-15/93-TD.V/TS.IV(.).—In supersession to O.M. No. F.18-27/50-T2 dated 23rd October, 1951 from Ministry of Education, New Delhi, the Board of Assessment for Educational Qualifications has approved the change in the name (taken place in April, 1957) of the Indian Institute of Sugar Technology, Kanpur to National Sugar Institute, Kanpur and further resolved that the Associateship and the Fellowship Diploma in Sugar Engg./Sugar Tech., awarded by the National Sugar Institute, Kanpur (formerly known as the Indian Institute of Sugar Technology, Kanpur) is to be treated as a recognised qualification for recruitment to post and services under the Central Government for posts requiring specialised training in Sugar Engg./Sugar Technology.

VIJAY BHARAT,
Deputy Educational Adviser (T)
& Secretary, Board of Assessment
For Education Qualifications

The 1st March 1995

No. 43, F. 18-23/92-TD.V/TS-IV(.).—On the recommendation of the Board of Assessment for Educational Qualifications, the Government of India have decided to recognise the 'O' level and 'A' level examinations conducted by the Computer Society of India(CSI) under the Department of Electronics Accreditation of Computer Courses (DOEACC) scheme as equivalent to Foundation course and Advanced Diploma level course, respectively, for the purpose of employment to posts and services under the Central Government.

VIJAY BHARAT,
Deputy Educational Adviser (T) &
Secretary, Board of Assessment
For Educational Qualifications

No. 44, F. No. 18-15/93-TD.V/TS.IV.—On the recommendation of the Board of Assessment for Educational Qualifications, the Government of India has decided that all the qualifications awarded through Distance Education by the Universities established by an Act of Parliament or State Legislature, Institutions Deemed to be Universities under Section 3 of the UGC Act, 1956 and Institutions of National Importance declared under an Act of Parliament stand automatically recognised for the purpose of employment to posts and services under the Central Government, provided it has been approved by Distance

Education Council, Indira Gandhi National Open University, K 76, Hauz Khas, New Delhi-110016 and wherever necessary by All India Council for Technical Education, I.G. Sports Complex, I.P. Estate, New Delhi-110002.

VIJAY BHARAT,
Deputy Educational Adviser (T) &
Secretary, Board of Assessment
For Educational Qualifications

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 7th March 1995

RESOLUTION

No. Hindi/93/Pra-7/1/2.—Ministry of Railways (Railway Board) has decided to include non Railwaymen/authors also in the scheme of writing original books on Technical Railway subjects in Hindi by modifying the existing scheme.

The main features of this scheme will be as under :—

1. Name of the scheme

The name of the scheme is 'Scheme of Cash Award for writing original books on Technical Railway subjects in Hindi'.

2. Objective

The scheme aims at encouraging writing of original works on Railway related Technical subjects so that more and more books in Hindi could be available on Railway related Technical subjects.

3. The amount of awards

The following awards will be given for writing the original books in Hindi.

- | | |
|----------------------------|------------------|
| 1. First Prize (One) | Rs. 10,000/- |
| 2. Second Prize (Two) | Rs. 5,000/- each |
| 3. Third Prize (Two) | Rs. 3,000/- each |
| 4. Consolation Prize (Two) | Rs. 1,500/- each |

4. The scheme will function under the control of Official Language Directorate of the Ministry of Railways.

5. This scheme will be introduced from the year 1995 and would be for each calendar year.

6. Non Railwaymen/authors can also take part in this scheme from year 1995 (1-1-95—31-12-95).

7. About 400 copies each of the first, second and third prize winning books will be purchased by the different Railways/Production Units and the expenditure so incurred on the purchase of these books would be met by the Railway Administrations from their budget allotment for Hindi libraries.

8. The works should be original i.e. it should not be a translation of a book written in any other language.

9. Only those original works should be submitted for the award, which have been written or published during the preceding three years.

10. The subject of the work should be related to the Railways working or the Railway management.

11. Under this scheme, the selection of the books will be made by an Evaluation Committee and Director (OL), Ministry of Railways (Railway Board) will be the Member Secretary of the Committee.

12. Those books have already been sent under the scheme in the preceding years should not be sent again.

13. The books which have once been awarded under any other scheme run by the Government of India or a State Govt. or the Administration of the Union Territory would not be entertained under this scheme.

14. In case there are more than one authors of a award-winning book the amount of the award shall be equally divided amongst the authors.

15. The authors of the books sent for this scheme will be entitled to copyright of their books.

16. If in a year the Evaluation Committee does not consider any book/manuscript suitable for the award, then it would withhold the award at its discretion.

17. No correspondence will be entertained regarding the prize or the process of selection of books.

18. The competitor will have to send two published or two typed copies duly filled in the prescribed application form to the Director (OL), Ministry of Railways, Rail Bhavan, New Delhi.

19. An author may send more than one entries for this scheme. However, only one prize will be given to an author in a particular year.

20. Normally the book should not be of less than 100 pages. However, the selection committee may at its discretion consider the book containing less than 100 pages.

21. If any member of the Evaluation Committee himself/herself wishes to participate in the prize scheme he/she will cease to be a member of the Evaluation Committee for that particular year.

22. The decision of the Ministry of Railways in all the matters concerning the scheme shall be final.

23. The awarded books under the scheme will be vetted by the officers of the Official Language Directorate of the Railway Board and then the concerned authors will have to publish library-edition of their works, thereby enabling the Railways to purchase the books.

24. While sending his works the author will have to furnish the details in the prescribed proforma.

Proforma-I

Award scheme of writing original books on Technical Railway subjects in Hindi

1.

(i) Writer's name

(ii) Designation

(iii) Office name and address

(iv) Name of the concern

Ministry/Department,

2. Title of the book.....

Proforma-II

3. Subject

Declaration

(a) I have studied the rules of the Award scheme and fully assented to them.

4. Name and address

(b) I also declare that this book has originally been written by me and that no violation of any other copyright is involved.

of the publisher

5. The date of completion

(c) I also declare that the particulars given in the application form are correct.

of book (Month-Year).

Signature

6. Year of publication

Dated :

Name in full

(write month and year)

Place :

Full Address

7. Total No. of pages

ORDER8. I certify that
is my original book

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Union Territories, all the Ministries/Departments, all Universities and all News Agencies.

ORDERED further that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

Dated :

Signature

FELIX KULLU,
Joint Secy./Railway Board.

